



खतंत्र वार्ता, हैदराबाद

मोबाइल की लत से अपने बच्चों को बचाएं माता-पिता जरूर अपनाएं ये टिप्प

बच्चों की मोबाइल की लत उनकी दिनचर्या और सेहत पर असर डालती है। इसलिए माता-पिता को ये बात बच्चों को समझनी होगी और कुछ टिप्प अपनाने होंगे। आज बच्चे खेलने-कूदने से ज्यादा समय मोबाइल पर बिताने लगे हैं। जाहे गेम खेलना हो, बीड़ियों देखना हो या सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करना, मोबाइल की लत उनकी दिनचर्या और सेहत दोनों पर बुरा असर डाल रही है। इसलिए माता-पिता ने लिये यह समझना जरूरी है कि बच्चों को मोबाइल से परी तरह दूर करना मुश्किल है, लेकिन कुछ टिप्प के जरूर लिये जाएं।

बच्चों को लिए टाइम टेल बनाएं:
बच्चों को मोबाइल इस्तेमाल करने का समय तक करें। जैसे सिफे पढ़ाई के बाद या दिन में 1 घंटे तक ही चलाना है। इससे बच्चे एक लिमिट के अंदर रहकर मोबाइल का इस्तेमाल करें।

बच्चों को आउटडोर गैंग्स की आदत डालें:



मोबाइल की जगह बच्चों को आउटडोर गैंग्स जैसे क्रिकेट, फुटबॉल या साइकिलिंग के लिए प्रेरित करें। इससे उनका ध्यान फोन से हटाया और शारीरिक फिटनेस भी बहतर होगी।

मोबाइल को इनाम की तरह

बच्चों के साथ रोज़ कुछ समय खेलें, बातें करें या कोई एक्टिविटी करें। जब बच्चे घर पर ही एंजें रहेंगे, तो मोबाइल की जरूरत उन्हें कम लगेगी।

ट्रॉफी टाइम के नुस्खान

समझाएं:

बच्चों को आसान भाषा में बताएं कि ज्यादा मोबाइल इस्तेमाल से अंगे कमज़ोर होती है, नींद खारब होती है और दिमाग पर असर पड़ता है। जब वे खुद कारण समझेंगे तो मोबाइल का इस्तेमाल कम करेंगे।

खुद बने ट्रोली मॉडल:

अगर बच्चा हामियर्क या कोई काम अच्छे से करता है तो ही उसे मोबाइल करने दें। इस तरह मोबाइल उनके लिए इनाम बन जाएगा, न कि लत।

ट्रॉफी टाइम को प्रायोरिटी दें:

पैदाई के साथ नॉलेज बढ़ावा:

बच्चों के साथ नॉलेज बढ़ावा दें। इससे उनका ध्यान खुक्कर कर आप अपनी बेटी को न सिफे बहादुर बल्कि सफल इंसान भी बना सकते हैं।

सेल्फ कॉम्पैक्टेस सिखाएं:

बेटी को यह भरोसा दिलाना जरूरी है कि गलत चीजों पर 'ना'

कैसे कहा जाए। इससे उनमें

हिम्मत और सेल्फ डिफेंस की

दिखाएं।

बेटिका से मोबाइल दूर रहें:

सोने से फहले बच्चों के हाथ में मोबाइल बिल्कुल न दें। सोने के कमरे में ट्रोली और मोबाइल रखने से बचें, ताकि उनकी नींद और रुटीन दोनों सही रहें।

अपनी बेटी को बनाना है बहादुर, तो इन बातों का रखना होगा ध्यान



खेलने का तरीका। इससे उसमें निर्धारित लेने की क्षमता बढ़ेगी।

ना कहना सिखाएं:

बेटियों को यह सिखाना बहेद जरूरी है कि गलत चीजों पर 'ना' कैसे कहा जाए। इससे उनमें हिम्मत और सेल्फ डिफेंस की फैलिंग विकसित होगी।

स्पोर्ट्स और फिजिकल एक्टिविटी

खेलों में सामिल होने से बेटियों का आत्मविश्वास और शारीरिक ताकत दोनों बढ़ते हैं। इससे उनमें अधिक आत्मनिर्भर बनेगी।

सेप्टीक रूल्स बताएं

बेटी को घर के अंदर और बाहर

की सेफ्टी टिप्स बताना बहेद जरूरी है। उसे यह जानकारी दें कि मुसीबत में कैसे मदद मिल सकती है।

पॉन्टिटिवीटी सिखाएं

मुश्किल समय में हिम्मत न हारना और हर परिस्थित को पाजिटिव तरीके से देखना बहादुर लोगों की पहचान होती है।

गोटिवे करें और सोर्पेट बनें

बेटी की छोटी-छोटी उपलब्धियों को साखरना करें। उसे यह महसूस कराएं कि परिवार हर कदम पर उसके साथ खड़ा है।

रोल गोल्ड बनें

बच्चे वही सीखते हैं जो घर में देखते हैं। अगर माता-पिता खुद आत्मनिर्भर और बहादुर रहेंगे, तो बेटी भी वैसी ही बनेगी।

ना कहना सिखाएं

बेटियों को यह सिखाना बहेद जरूरी है कि गलत चीजों पर 'ना' कैसे कहा जाए। इससे उनमें हिम्मत और सेल्फ डिफेंस की फैलिंग विकसित होगी।

पॉटेंशियल एक्टिविटेस दें

पैसों का महत्व और सही दिशा और संस्कार करना बचपन से देखियों। याद रखिया, बहादुरी सिफर ताकत में नहीं बल्कि आत्मविश्वास और सही सोच में छिपी होती है।

साबूदाना खिचड़ी बनाने समय रखें इन बातों

का ध्यान, तभी आएगा अच्छा स्वाद

फूल जाएगा और नर्म हो जाएगा।

पकाने से पहले

छाल ले

साबूदाने को तुरंत पानी से निकालकर न बनाएं। इसके लिए फहले पानी से निकालकर इसे छलनी से छाल ले।

इसकी बजह से साबूदाना का अतिक्रम निकल जाएगा। इसकी खिचड़ी गाड़ी, चिपचिपी और बैस्टाद बन जाती है। खासतौर पर बत्ता या उपवास के समय लोग इसे बनाना पर्संद करते हैं, लेकिन सही टेक्निक न पता होने पर इसका स्वाद बिगड़ सकता है।

सोच रखें हैं, जबकि सासुराल वालों से पारंपरिक उम्मीदें रखें होती हैं।

यह टकराव रिश्ते को जटिल बना सकता है।

दामाद से दिट्टे नज़बूत बनाने के उपाय

आपसी सम्मान

दोनों पक्षों को एक-दूसरे की स्थिति और जिम्मेदारियों का सम्मान करने की ओर परिवर्तित होती है। जैसा सम्मान दामाद, अपने सासुराल में प्राप्त करते हैं, वैसा ही सम्मान उन्हें अपनी पक्षी के परिवर्ता को देना चाहिए। यही दामाद के साथ सम्मान वालों का रवैया होना चाहिए।

भारतीय संस्कृति के लिए बातों के बारे में बहुत रहते हैं। इससे उनके परिवर्ता से साथ-योग की उम्मीद करता है जो न मिलने पर तात्पार है।

वास्तविक भावनाओं से ज्यादा

परिवर्पण और दिव्यावाही से ज्यादा होते हैं।

अपनी पक्षी के उम्मीद करता है जो न मिलने पर तात्पार है।

बेटी की काणण जुड़ाव

दामाद का रिश्ता मूल रूप से बेटी के माध्यम से ही मजबूत होता है। बेटी का सासुराल से संबंधित विवरिक उम्मीदें और बेटियों के लिए बहुत रहते हैं। इससे उनके परिवर्ता को जारी रहने की ओर माता-पिता से ज्यादा नहीं किया जाता है। अगर बच्चा या बड़ा बच्चा अपनी पक्षी के लिए बहुत रहता है।

दामाद और सासुराल के संबंधों की ओर भारतीय संस्कृति के लिए बहुत रहते हैं। लेकिन इस आदर-सम्मान के लिए बहुत रहते हैं। इससे उनके परिवर्ता को जारी रहने की ओर माता-पिता के लिए बहुत रहते हैं।

अपनी पक्षी के उम्मीद करता है जो न मिलने पर तात्पार है।

लैंगिक भावनाओं से ज्यादा

सासुराल और दामाद के बीच अपनी पक्षी के उम्मीद करता है जो न मिलने पर तात्पार है।

दामाद से दिट्टे की ओर भारतीय संबंधों की ओर भारतीय संस्कृति के लिए बहुत रहते हैं।

दामाद से दिट्टे की ओर भारतीय संबंधों की ओर भारतीय संस्कृति के लिए बहुत रहते हैं।

दामाद से दिट्टे की ओर भारतीय संबंधों की ओर भारतीय संस्कृति के लिए बहुत रहते हैं।

दामाद से दिट्टे की ओर भारतीय संबंधों की ओर भारतीय संस्कृति के लिए बहुत रहते हैं।

दामाद से दिट्टे की ओर भारतीय संबंधों की ओर भारतीय संस्कृति के लिए बहुत रहते हैं।

दामाद से दिट्टे की ओर भारतीय संबंधों की ओर भारतीय संस्कृति के लिए बहुत रहते हैं।

दामाद से दिट्टे की ओर भारतीय संबंधों की ओर भारतीय संस्कृति के लिए बहुत रहते हैं।

दामाद से दिट्टे की ओर भारतीय संबंधों की ओर भारतीय संस्कृति के लिए बहुत रहते हैं।

</div

परमाणु रक्षा समझौते के बाद पाकिस्तान-सऊदी के बीच एक और बड़ी डील

रियाद/इस्लामाबाद, 23 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच रक्षा समझौते के बाद एक और बहुत बड़ा समझौता किया गया है। नया समझौता साझा खुफिया तंत्र बनाने का लेकर है। पिछले हफ्ते ही पाकिस्तान और सऊदी अरब ने रणनीतिक परामर्श रक्षा समझौते किया था। पिस्के बाद दोनों देशों ने जैंडर इंटीलिजेंस मैक्रिनिंग स्थापित करने का फैसला किया है। इसका मकसद राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में आपसी समर्थन को मजबूत करना है।

रियाद के मुताबिक, यह समिति दोनों देशों के शाखा अधिकारियों, कमांडरों और अन्य संवेदनशील व्यक्तियों को संभावित खतरों या हमलों से बचाने के लिए काम करेगी। इस पहले के तहत इस्लामाबाद और रियाद के बीच एक खुफिया हॉटलाइन स्थापित की जाएगी ताकि नियमित आधार पर लगातार, वार्ताविक समय पर खुफिया जानकारी साझा की जाए।

साझा खुफिया तंत्र बनाने पर सहमति, आईएसआई को जिम्मेदारी



और कम्युनिकेशन का प्रवाह लगातार बना रहे।

पाकिस्तान के शीर्ष सुरक्षा सूची द्वारा और मजबूत करना होगा। ये नई व्यवस्था जैंडर इंटीलिजेंस कमिटी के ईंट-गिर्द किया जाएगा, जो साधीय सुरक्षा और आतंकवाद-रोधी गतिविधियों पर नजर रखेगी।

इस नई व्यवस्था के तहत पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटीलिजेंस

नेपाल में ओली की विदाई: भारत के लिए 'गुड न्यूज' या नई चुनौती?

जेन-जी आंदोलन के बाद नेपाल में स्थिरता या नया सियासी तृफान?



तुलना बांगलादेश, श्रीलंका या सीरिया से कोई जारी रही है, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए। यह बाहरी प्रभाव का परिणाम कम है, बल्कि यह नेपाली नेताओं से जन्मी और लोगों के कार्यकारी संथां दुश्मन में बदल हुए हैं। नेपाल के वामपंथी और राजशाही समर्थक वात्र करते हैं कि इन बदलावों के पीछे भारत, अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे विदेशी ताकते हैं। अब चीन का नाम भी इसमें लिया जाना लगा है। नेपाल भारत और चीन के बीच बसा हुआ है। उन्होंने डीडल्यू को बताया कि बहुत से युवा नैकरी के लिए, विदेश जा रहे हैं, स्वाभाविक रूप से बाहरी प्रभाव बढ़ाता जा रहा है।

नेपाल में लगातार सरकारों का बदलना बहुत आम हो गया है।

नेपाल के वामपंथी और राजशाही समर्थक वात्र करते हैं कि इन बदलावों के पीछे भारत, अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे विदेशी ताकते हैं। अब चीन का नाम भी इसमें लिया जाना लगा है। नेपाल भारत और चीन के बीच बसा हुआ है। उन्होंने डीडल्यू को बताया कि बहुत से युवा नैकरी के लिए, विदेश जा रहे हैं, स्वाभाविक रूप से बाहरी प्रभाव बढ़ाता जा रहा है।

नेपाल में लगातार सरकारों का बदलना बहुत आम हो गया है।

भौगोलिक और सांस्कृतिक

ट्रम्प ने गर्भवती महिलाओं को पैरासीटामोल से दूर रहने की दी सलाह

की दी सलाह

ओटिज्म पर इलाज खोजने का दावा वाशिंगटन, 23 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के नेता अलेक्जेंडर डंकन ने भगवान हनुमान की प्रतिमा पर विवादित बयान दिया है। उन्होंने इसे झूठे भगवान की झूठी प्रतिमा कहा है।

डंकन ने X पर लिखा- हम टेक्सास में एक झूठे भगवान की झूठी मूर्ति क्यों लगाने दे रहे हैं? हम एक ईसाई राष्ट्र हैं। डंकन के इसके बाद विवाद खड़ा हो गया है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएफ) ने इसे लेकर विरोधी बताया।

कई अन्य संगठनों ने भी इसे धार्मिक आश्रय पर हमला बताते हुए माफी की मांग की है। अमेरिकी नागरिकों ने भी इसकी घोर निंदा की है। फिलहाल डंकन

हम ईसाई देश, यहां मूर्ति तयों लगाने दे रहे, हिंदू संगठनों ने कहा- माफी मांगो



की ओर से कोई अधिकारिक सफाई नहीं दी गई है।

टेक्सास में भगवान हनुमान की 90 फीट की मूर्ति

अमेरिकी के टेक्सास राज्य के शुगर लैंड में मौजूद श्री अष्टलक्ष्मी मंदिर पर भगवान

हनुमान की 90 फीट की मूर्ति तयों को संबोधित की जाती है। यह भारत के बाद हनुमानजी की सबसे ऊँची मूर्ति है।

मूर्ति का वजन 90 टन है और इसे पांच धातुओं के मिश्रण से

तो उसे गोली मार दी जाए। हालांकि, वह लगातार अवैध हत्याओं की अनुमति देने से इनकार करते रहे।

मार्च 2025 में दुर्देते को फिलीपीन अधिकारियों ने आईसीसी के बारेंट के आधार पर इसका किया और नीदरलैंड्स भेज दिया।

फिलहाल वे हेंग में मौजूद आईसीसी की हिरासत सुविधा में बंद हैं। उनके समर्थकों ने मौजूदा राष्ट्रपति फिलीपीन राजीव गोदानपांडित रोड्रिगो दुर्देते के विलाफ मानवता विरोधी अपराधों के आधार पर विवादित हो गया है।

ये हत्याएं उनके राष्ट्रपति रोड्रिगो दुर्देते के विलाफ मानवता विरोधी अपराधों के आधार पर विवादित हो गया है।

आईसीसी की ओर से जारी 15 पन्थों के चार्जीसीट के अनुसार, दुर्देते पर फैला आरोप-2013 से 2016 के बीच दावाओं सिटी के संदर्भ गिरफ्तारी का विवेद करे

या सुरक्षा बलों को खतरा पैदा करे

है। इसके बाद वे हेंग में मौजूद आईसीसी की हिरासत सुविधा में बंद हैं।

मूर्ति का वजन 90 टन है और इसे पांच धातुओं के मिश्रण से

तो उसे गोली मार दी जाए।

हालांकि, वह लगातार अवैध

हत्याओं की अनुमति देने से इनकार करते रहे।

मार्च 2025 में दुर्देते को फिलीपीन अधिकारियों ने आईसीसी के बारेंट के आधार पर इसका किया और नीदरलैंड्स भेज दिया।

फिलहाल वे हेंग में मौजूद आईसीसी की हिरासत सुविधा में बंद हैं।

ये हत्याएं उनके राजीव गोदानपांडित रोड्रिगो दुर्देते के विलाफ मानवता विरोधी अपराधों के आधार पर विवादित हो गया है।

आईसीसी की ओर से जारी 15

पन्थों के चार्जीसीट के अनुसार, दुर्देते पर फैला आरोप-2013 से

2016 के बीच दावाओं सिटी के संदर्भ गिरफ्तारी का विवेद करे

या सुरक्षा बलों को खतरा पैदा करे

है। इसके बाद वे हेंग में मौजूद आईसीसी की हिरासत सुविधा में बंद हैं।

मूर्ति का वजन 90 टन है और इसे पांच धातुओं के मिश्रण से

तो उसे गोली मार दी जाए।

हालांकि, वह लगातार अवैध

हत्याओं की अनुमति देने से इनकार करते रहे।

मार्च 2025 में दुर्देते को फिलीपीन अधिकारियों ने आईसीसी के बारेंट के आधार पर इसका किया और नीदरलैंड्स भेज दिया।

फिलहाल वे हेंग में मौजूद आईसीसी की हिरासत सुविधा में बंद हैं।

ये हत्याएं उनके राजीव गोदानपांडित रोड्रिगो दुर्देते के विलाफ मानवता विरोधी अपराधों के आधार पर विवादित हो गया है।

आईसीसी की ओर से जारी 15

पन्थों के चार्जीसीट के अनुसार, दुर्देते पर फैला आरोप-2013 से

2016 के बीच दावाओं सिटी के संदर्भ गिरफ्तारी का विवेद करे

या सुरक्षा बलों को खतरा पैदा करे

है। इसके बाद वे हेंग में मौजूद आईसीसी की हिरासत सुविधा में बंद हैं।

ये हत्याएं उनके राजीव गोदानपांडित रोड्रिगो दुर्देते के विलाफ मानवता विरोधी अपराधों के आधार पर विवादित हो गया है।

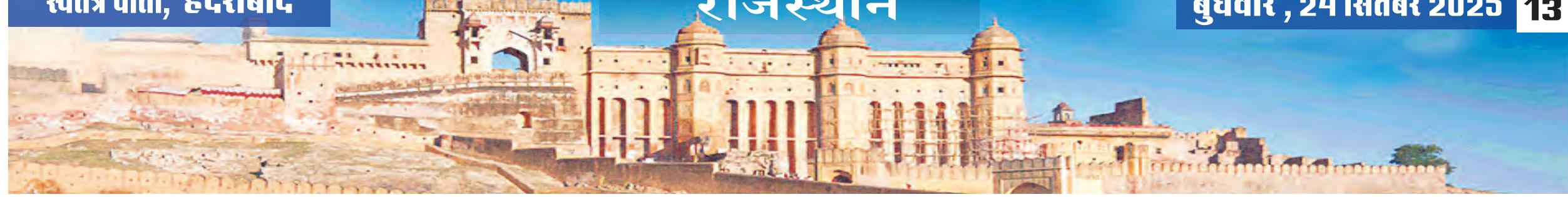
आईसीसी की ओर से जारी 15

पन्थों के चार्जीसीट के अनुसार, दुर्देते पर फैला आरोप-2013 से

2016 के बीच दावाओं सिटी के संदर्भ गिरफ्तारी का विवेद करे

या सुरक्षा बलों को खतरा पैदा करे

है। इसके बाद वे हेंग में मौजूद आईसीसी की हिरासत सुविधा में बंद हैं।



'मेरे परिवार को धमका रहे हैं', कांग्रेस विधायक ने अपनी ही पार्टी के पूर्व मंत्री पर लगाए गंभीर आरोप; मंदिर द्रस्ट को भी घेरा

सिरोही, 23 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सिरोही जिले के रानीवाड़ा से कांग्रेस विधायक रतन देवासी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक चौकाने वाला बयान जारी किया है। कांग्रेस विधायक रतन देवासी ने पूर्व कांग्रेस सरकार के एक पूर्व मंत्री, उनके बेटे और सुंदर माता मंदिर द्रस्ट को भी घेरा है।

रतन देवासी ने दावा किया कि उनके परिवार को वर्षों से जान का खतरा है और यह खतरा पूर्व मंत्री, उनके बेटे, कुछ प्रशासनिक अधिकारियों और जालौर-सिरोही से धमकियां मिल रही हैं। वे क्षेत्र से जुड़े लोगों के साथ-साथ सुंदर माता मंदिर द्रस्ट से भी हैं। हालांकि, सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि देवासी का इशारा पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई की ओर है, लेकिन इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहाँ, सुंदर माता द्रस्ट ने इन आरोपों से साफ़ इनकार किया है।

देवासी ने अपनी एक्स पोस्ट में



लिखा कि वर्षों से मेरे परिवार को पिछली सरकार के एक पूर्व मंत्री, उनके बेटे और कई अधिकारियों से धमकियां मिल रही हैं। वे क्षेत्र से जुड़े लोगों के साथ-साथ सुंदर माता मंदिर द्रस्ट से भी हैं। हालांकि, सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि देवासी का इशारा पूर्व मंत्री सुखराम बिश्नोई की ओर है, लेकिन इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहाँ, सुंदर माता द्रस्ट ने इन आरोपों से साफ़ इनकार किया है।

उन्होंने इस पोस्ट में कांग्रेस

अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़े, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, राजस्थान कांग्रेस, सचिव पायलट, नेता प्रतिनिधि टीकाराम जलौं और राजस्थान पुलिस को टैग कर तत्काल कार्रवाई की मांग की।

पार्टी के भीतर बढ़ती तर्जुमी बता दें, रतन देवासी का राजनीतिक सफर उत्तर-चावल भरा रहा है। वे 2008 में पहली बार रानीवाड़ा से विधायक बने और अशोक गहलोत सरकार में उपमुख्य सचेतक रहे। हालांकि, 2013 और 2018 के विधानसभा चुनावों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। 2019 में कांग्रेस ने उन्हें लोकसभा चुनाव में टिकट दिया, लेकिन वे जीत हासिल नहीं कर सके।

वहाँ, 2023 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने 22,000 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की, लेकिन इस जीत के लिए बने समर्कों ने पार्टी के कुछ नेताओं के साथ उनके रिश्तों में खटास पैदा कर

दी। यह अनवन अब खुले तौर पर सामने आ रही है। मीडिया से क्या बोले देवासी? मीडिया से बात करते हुए देवासी ने कहा कि मेरे परिवार की सुरक्षा के लिए मुझे यह कदम उठाना पड़ा। मैं अभी राजस्थान से बाहर हूँ। जालौर लौटते ही पुलिस अधिकारियों की ओर से कांग्रेस राज प्रधानाचार्यों के तबादले की मांग उठाइ जा रही थी। शिक्षा विभाग की ओर से हजार प्रधानाचार्यों की तबादला साची जारी हुई है।

इसमें सीकर किले के 200 से ज्यादा प्रधानाचार्यों के तबादले किए गए हैं। सबसे ज्यादा सियासी संजरी पूर्व शिक्षा संगठनों ने बाहर हुआ है। शिक्षक संघ राष्ट्रीय सहित अन्य संगठनों की सीमी में शामिल नहीं थे। इसमें सीकर किले के लिए जान बाद भालौर लौटकर अधिकारियों को विस्तृत जानकारी देंगे।

राजनीतिक हल्कों में हल्चल देवासी के इस सनसनीखेज में राजस्थान की राजनीति में हल्चल मचा रही है। सबाल उठ रहे हैं कि क्या कांग्रेस अपने ही विधायक की सुरक्षा सुनिश्चित कर पाएगी? या यह मामला पार्टी के अंदरूनी टकराव का परिणाम है? कुछ विलेषकों का मानना है कि यह खुलासा राजस्थान कांग्रेस में गुटावांजी को और उत्तरांग कर सकता है।

इसमें सीकर जिले के 80 पूर्वसंदी प्रधानाचार्यों का बॉर्डर के जिलों में तबादला हुआ है। सूत्रों की माने तो यह सिर्फ़ ऐसे प्रधानाचार्यों का होता है जो तबादला नहीं हुआ जिनको सेवा में यो तो दो साल का समय बचा या वह दूसरे जिलों के मूल सावित होता है।

डोटासरा के गढ़ में 80 फीसदी प्रिसिंपल का ट्रांसफर, बोले- जान बूझकर प्रताड़ना

सीकर, 23 सितंबर (एजेंसियां)। विधानसभा व लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का लिला बनकर उभे सीकर की सुरक्षा के लिए मुझे यह कदम उठाना पड़ा। मैं अभी राजस्थान से बाहर हूँ। जालौर लौटते ही पुलिस अधिकारियों की ओर से कांग्रेस राज प्रधानाचार्यों के तबादले की मांग उठाइ जा रही थी। शिक्षा विभाग की ओर से हजार प्रधानाचार्यों की तबादला साची जारी हुई है।

जिले के प्रधानाचार्यों का तबादला बाड़मेर, सिरोही, बुंदूदी, वैशालीमेर, नावां, जालौर, बुंदूदी व शेखावाटी में आए हैं। जालौर का सामना करना पड़ा था। बाहर हुआ है। शिक्षक संघ राष्ट्रीय सहित अन्य संगठनों की सीमी में शामिल नहीं थे। इसमें सीकर किले के लिए जान बाद भालौर लौटदले के बाद भालौर के लिए जान बूझकर तबादले किए हैं। यहाँ के बाद भी उनके तबादले जिले की प्रमुख स्कूलों में हुए हैं। वहाँ के 80 पूर्वसंदी प्रधानाचार्यों का बॉर्डर के जिलों में तबादला हुआ है। सूत्रों की माने तो यह सिर्फ़ ऐसे प्रधानाचार्यों का होता है जो तबादला नहीं हुआ जिनको सेवा में यो तो दो साल का समय बचा या वह दूसरे जिलों के मूल तबादले को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं।

पूर्वसंदी प्रधानाचार्यों की जानता व्यापारी बोले- जान



तबादले को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं। कई प्रिसिंपलों एसे भी जिले के तबादला बाड़मेर, सिरोही, बुंदूदी व शेखावाटी में करारी हार का सामना करना पड़ा था। बाहर हुआ है। शिक्षक संघ राष्ट्रीय सहित अन्य संगठनों की सीमी में शामिल नहीं थे। इसमें सीकर किले के लिए जान बाद भालौर लौटदले दूसरे जिले में किए गए हैं। यहाँ के सीकर किले के लिए जान बाद भालौर लौटदले दूसरे जिले के लिए जान बूझकर तबादले किए हैं। यहाँ के प्रिसिंपलों के जिलों में यो तो दो साल का समय बचा या वह दूसरे जिलों के मूल तबादले को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं।

पूर्वसंदी प्रधानाचार्यों की जानता व्यापारी बोले- जान

तबादले को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं। कई प्रिसिंपलों एसे भी जिले के तबादला बाड़मेर, सिरोही, बुंदूदी व शेखावाटी में करारी हार का सामना करना पड़ा था। बाहर हुआ है। शिक्षक संघ राष्ट्रीय सहित अन्य संगठनों की सीमी में शामिल नहीं थे। इसमें सीकर किले के लिए जान बाद भालौर लौटदले दूसरे जिले में किए गए हैं। यहाँ के बाद भी उनके तबादले जिले की प्रमुख स्कूलों में हुए हैं। वहाँ के 80 पूर्वसंदी प्रधानाचार्यों का बॉर्डर के जिलों में तबादला हुआ है। सूत्रों की माने तो यह सिर्फ़ ऐसे प्रधानाचार्यों का होता है जो तबादला नहीं हुआ जिनको सेवा में यो तो दो साल का समय बचा या वह दूसरे जिलों के मूल तबादले को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं।

पूर्वसंदी प्रधानाचार्यों की जानता व्यापारी बोले- जान

तबादले को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं। कई प्रिसिंपलों एसे भी जिले के तबादला बाड़मेर, सिरोही, बुंदूदी व शेखावाटी में करारी हार का सामना करना पड़ा था। बाहर हुआ है। शिक्षक संघ राष्ट्रीय सहित अन्य संगठनों की सीमी में शामिल नहीं थे। इसमें सीकर किले के लिए जान बाद भालौर लौटदले दूसरे जिले में किए गए हैं। यहाँ के बाद भी उनके तबादले जिले की प्रमुख स्कूलों में हुए हैं। वहाँ के 80 पूर्वसंदी प्रधानाचार्यों का बॉर्डर के जिलों में तबादला हुआ है। सूत्रों की माने तो यह सिर्फ़ ऐसे प्रधानाचार्यों का होता है जो तबादला नहीं हुआ जिनको सेवा में यो तो दो साल का समय बचा या वह दूसरे जिलों के मूल तबादले को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं।

पूर्वसंदी प्रधानाचार्यों की जानता व्यापारी बोले- जान

तबादले को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं। कई प्रिसिंपलों एसे भी जिले के तबादला बाड़मेर, सिरोही, बुंदूदी व शेखावाटी में करारी हार का सामना करना पड़ा था। बाहर हुआ है। शिक्षक संघ राष्ट्रीय सहित अन्य संगठनों की सीमी में शामिल नहीं थे। इसमें सीकर किले के लिए जान बाद भालौर लौटदले दूसरे जिले में किए गए हैं। यहाँ के बाद भी उनके तबादले जिले की प्रमुख स्कूलों में हुए हैं। वहाँ के 80 पूर्वसंदी प्रधानाचार्यों का बॉर्डर के जिलों में तबादला हुआ है। सूत्रों की माने तो यह सिर्फ़ ऐसे प्रधानाचार्यों का होता है जो तबादला नहीं हुआ जिनको सेवा में यो तो दो साल का समय बचा या वह दूसरे जिलों के मूल तबादले को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं।

पूर्वसंदी प्रधानाचार्यों की जानता व्यापारी बोले- जान

तबादले को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं। कई प्रिसिंपलों एसे भी जिले के तबादला बाड़मेर, सिरोही, बुंदूदी व शेखावाटी में करारी हार का सामना करना पड़ा था। बाहर हुआ है। शिक्षक संघ राष्ट्रीय सहित अन्य संगठनों की सीमी में शामिल नहीं थे। इसमें सीकर किले के लिए जान बाद भालौर लौटदले दूसरे जिले में किए गए हैं। यहाँ के बाद भी उनके तबादले जिले की प्रमुख स्कूलों में हुए हैं। वहाँ के 80 पूर्वसंदी प्रधानाचार्यों का बॉर

